

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद का द्वितीय दीक्षांत समारोह



माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उन्नति नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व का निर्वहन भी है। इस अवसर पर उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनसे आह्वान किया कि वे कम से कम एक बच्चे की शिक्षा का दायित्व अवश्य लें, जिससे समाज में अशिक्षा को दूर करने में योगदान दिया जा सके। राज्यपाल महोदय ने स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो जी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन शिक्षा, श्रम और आत्मगौरव के मूल्यों का सशक्त प्रतीक है। वे केवल एक जननेता नहीं थे, बल्कि सामाजिक चेतना के प्रतीक थे। उनका संपूर्ण जीवन इस तथ्य का सशक्त प्रमाण है कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सम्मान और आत्मनिर्भरता का सबसे प्रभावी माध्यम है। माननीय राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह जीवन की नई जिम्मेदारियों को स्वीकार करने की औपचारिक शुरुआत है। अब उनका ज्ञान, आचरण और मूल्य समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से उत्थिता, नवाचार और अनुसंधान की ओर निरंतर अग्रसर रहने का आह्वान किया। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में शिक्षा को समावेशी, सुलभ और समाजोपयोगी बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज शिक्षा सामाजिक सशक्तिकरण और समान अवसर का प्रभावी माध्यम बन रही है। राज्यपाल महोदय ने सभी उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा विश्वविद्यालय को निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहने की शुभकामनाएँ दीं।

जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर का द्वितीय दीक्षांत समारोह



माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय का कोल्हान क्षेत्र में एक विशेष स्थान है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि 1962 में महान दूरदर्शी एवं परोपकारी भारत रत्न जे.आर.डी. टाटा ने जमशेदपुर महिला कॉलेज को शहर के मध्य में विशाल मैदान के साथ भवन उपलब्ध कराया, जो आज विश्वविद्यालय का रूप ले चुका है। महिला शिक्षा के संदर्भ में वे सभी महान व्यक्ति स्मरण किए जाएंगे, जिन्होंने शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा और सामाजिक विकास को नया आयाम दिया।

जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर का तृतीय दीक्षांत समारोह



माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियों की शिक्षा किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति का आधार है। उन्होंने उपाधि प्राप्त सभी छात्राओं को हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह सफलता उनके परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस विश्वविद्यालय की यात्रा एक इंटरमीडिएट कॉलेज से पूर्ण विश्वविद्यालय बनने तक महिला शिक्षा, सशक्तिकरण और सामाजिक परिवर्तन की प्रेरक कहानी है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि विश्वविद्यालय की पूर्व छात्राएं शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, उद्यमिता, कला और खेल सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं।



बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची का 8वां दीक्षांत समारोह



माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के 8वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है, जिसमें मेहनत, संघर्ष, सीख, साधना और आत्म-विश्वास का समावेश होता है। विद्यार्थी ही विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा और पहचान के वाहक होते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश है और आने वाले 25 वर्षों में यही युवा शक्ति भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि प्रगति तभी सार्थक है जब उसकी रोशनी समाज तक पहुंचे। आप सभी इस विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बेसडर हैं। आपकी उपलब्धियां ही इस संस्थान की पहचान बनेंगी।

झारखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, रांची का प्रथम दीक्षांत समारोह



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (JUT), रांची के प्रथम दीक्षांत समारोह के अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह समारोह उनके परिश्रम, समर्पण और सफलता का प्रतीक है तथा उनके जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने वर्तमान युग में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रही अभूतपूर्व प्रगति पर प्रकाश डालते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की उपलब्धियों का उल्लेख किया। चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग और आदित्य-एल1 के सूर्य अध्ययन हेतु प्रक्षेपण ने भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवान्वित किया है। राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों को नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी और डिजिटल समावेशन जैसे क्षेत्रों में योगदान देकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।



झारखण्ड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, राँची का प्रथम दीक्षांत समारोह



माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने दीक्षांत मंडप, मोरहाबादी में आयोजित झारखण्ड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, राँची के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक आयोजन नहीं होता, बल्कि वह उस संस्था की विचारधारा, उपलब्धियों और समाज द्वारा उसके प्रति व्यक्त विश्वास का प्रतीक होता है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय आज अपने इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय लिख रहा है। राज्यपाल महोदय ने उल्लेख करते हुआ कहा कि इस विश्वविद्यालय की आधारशिला सादगी और कर्मशीलता के प्रतीक देश के पूर्व रक्षा मंत्री दिवंगत मनोहर परिकर जी ने रखी थी। इस संस्थान के गठन का उद्देश्य केवल एक अकादमिक संस्था स्थापित करना ही नहीं था, बल्कि ऐसा शिक्षण केंद्र विकसित करना था जो युवाओं में अनुशासन, सुरक्षा-दृष्टि, वैज्ञानिक सोच और प्रशासनिक दक्षता का समन्वित विकास कर सके। उन्होंने कहा कि झारखण्ड के युवाओं और किशोरों में सैन्य व पुलिस सेवा के प्रति विशेष उत्साह देखा जाता है। वे कठिन परिश्रम करते हैं, परंतु उचित मार्गदर्शन के अभाव में कई बार सफलता से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में इस विश्वविद्यालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।



मारवाड़ी कॉलेज, रांची का 5वां ग्रेजुएशन समारोह

माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने मारवाड़ी कॉलेज, रांची के विवेकानन्द प्रेक्षागृह में आयोजित कॉलेज के '5वें ग्रेजुएशन समारोह' में भाग लेकर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें प्रेरित किया।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे ज्ञान को केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम न मानें, बल्कि उसे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का साधन बनाएं। माननीय राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज हमारा देश विश्व की एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो चुका है और 'विकसित भारत @2047' की दिशा में तेजी से अग्रसर है। राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि वे राज्य के विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं और इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।



आईएचएम, रांची का ग्रेजुएशन समारोह



इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, रांची (IHM, Ranchi) का 'ग्रेजुएशन समारोह' आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि IHM, रांची का ग्रेजुएशन समारोह (2022-2025) स्नातकों के जीवन की एक नई शुरुआत का प्रतीक है तथा उनके साथ उनके परिजनों, शिक्षकों और संस्थान के सभी सदस्यों के लिए भी गर्व का पल है। उन्होंने कहा कि आपने जो शिक्षा प्राप्त की है, वह न केवल आपके व्यक्तित्व को सशक्त बनाएगी, बल्कि आपको आतिथ्य क्षेत्र में सफलता के नए आयाम स्थापित करने में भी मदद करेगी।



बी.आई.टी. मेसरा का 34वां दीक्षांत समारोह



बी.आई.टी. मेसरा के 34वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना नहीं है, बल्कि इसे समाज के लिए उपयोगी बनाना है। कुलाधिपति के रूप में मुझे अत्यधिक हर्ष है कि बी.आई.टी. मेसरा ने आपकी सोच को विकसित किया है और आपको एक ऐसे भविष्य के लिए तैयार किया है जो आपको जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने तथा उनके समाधान ढूंढने की शक्ति प्रदान करता है। बदलते समय के साथ, जब हर दिन नई तकनीकें, नई चुनौतियाँ और नए अवसर हमारे सामने आते हैं, तो आपके पास वह विज्ञान और क्षमता होनी चाहिए जो आपको अपनी राह पर अडिग रखे और समाज के उत्थान में योगदान दे सके। मुझे विश्वास है कि आपने जो भी ज्ञान और मूल्य यहाँ सीखे हैं, वह देश की प्रगति में योगदान देगा।

राज्य के निजी विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह



झारखण्ड राय विश्वविद्यालय, रांची का 5वां दीक्षांत समारोह



श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर का दीक्षांत समारोह



सरला बिरला विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह

राज्य के निजी विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह



रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय का
द्वितीय दीक्षांत समारोह

अरका जैन विश्वविद्यालय का
तृतीय दीक्षांत समारोह





“
उच्च शिक्षा में सुधार हेतु प्रतिबद्धता तथा
उच्च शिक्षण संस्थान के कार्यक्रमों में सहभागिता
”

कुलपतियों के साथ लोक भवन में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

राज्यपाल महोदय ने उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए कुलपतियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और गुणवत्तापूर्ण बनाने हेतु कई निदेश दिए गए। राज्यपाल महोदय ने कहा कि विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समयबद्ध परीक्षा आयोजन, परिणाम प्रकाशन एवं शैक्षणिक कैलेंडर के कठोर अनुपालन को सुनिश्चित करना होगा। परीक्षा समाप्ति के एक माह के भीतर परिणाम घोषित कर देना अनिवार्य हो। उन्होंने प्रत्येक विश्वविद्यालय को समयबद्ध दीक्षांत समारोह आयोजित करने का निदेश भी दिया। राज्य में Gross Enrollment Ratio (GER) वर्तमान में राष्ट्रीय औसत से लगभग 10% कम है। इसके लिए विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में नामांकन बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास करने की जरूरत है।



कुलपतियों के साथ परिचर्चा नयी शिक्षा नीति के मूल में कौशल व नवाचार : राज्यपाल



माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर लोक भवन में कुलपतियों के साथ परिचर्चा आयोजित की गयी, जिसमें राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली श्री अनिल कोठारी समेत शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के अन्य सदस्यगण तथा राज्य के सभी सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भाग लिया। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहली बार एक ऐसी शिक्षा नीति बनाई गई है, जो भारत की प्रकृति, संस्कृति, भाषाई विविधता और विकास-यात्रा को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। यह नीति केवल शिक्षा सुधार का दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत को 'ज्ञान की महाशक्ति' बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह नीति माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'शिक्षा से विकास और कौशल से आत्मनिर्भरता' के विज़न को मूर्त रूप देती है।

दो दिवसीय कुलपति सम्मेलन



माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा राँची में आयोजित दो दिवसीय कुलपति सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर कहा कि यह सम्मेलन झारखण्ड की उच्च शिक्षा को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की चेतना एवं राष्ट्र की प्रगति का आधार है। विश्वविद्यालय विचार, ज्ञान, अनुशासन, शोध और चरित्र निर्माण के केंद्र होते हैं तथा किसी भी राज्य का भविष्य उसके शिक्षण संस्थानों में ही आकार लेता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड में स्कूली शिक्षा की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, किंतु उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अभी व्यापक सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा में ड्रॉपआउट की समस्या भी गंभीर है। गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण, समयबद्ध परीक्षाओं एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा के अभाव में बड़ी संख्या में विद्यार्थी राज्य से बाहर जाने को विवश होते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति हम सभी के लिए आत्ममंथन का विषय है।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस



विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति महोदय ने कहा कि किसी भी संस्थान का स्थापना दिवस सिर्फ उत्सव का समय नहीं होता, यह आत्म-निरीक्षण और आत्म-चिंतन का भी अवसर होता है। हमें यह सोचना चाहिए कि हमने अब तक जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उनमें कहाँ तक सफल हुए हैं और किन क्षेत्रों में हमें और प्रयास करने की आवश्यकता है। यही दृष्टिकोण हमें आने वाले वर्षों में और भी ऊँचाइयों तक ले जाएगा। यह गर्व का विषय है कि यह विश्वविद्यालय महान संत विनोबा भावे जी के नाम से जुड़ा है, जिन्होंने अपने जीवन को समाज सुधार और भू-दान जैसे यज्ञों के लिए समर्पित किया। उनके विचारों और उनके द्वारा किए गए कार्यों ने समाज को एक नई दिशा दी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह विश्वविद्यालय, उन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए, ज्ञान और मूल्य आधारित शिक्षा को और सक्रियता के साथ बढ़ावा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश के लिए भी एक विशेष दिन है, क्योंकि आज हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन है। मैं उन्हें समस्त राज्यवासियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई देता हूँ। माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत न केवल आर्थिक और सामाजिक मोर्चों पर उन्नति कर रहा है, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर भी तेजी से अग्रसर है।



झारखण्ड राज्य खुला विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस

माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड राज्य खुला विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, राँची में आयोजित समारोह में कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि उन लाखों विद्यार्थियों के लिए आशा का केंद्र है, जो शिक्षा के माध्यम से अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना झारखण्ड राज्य खुला विश्वविद्यालय अधिनियम, 2021 के तहत व्यापक उद्देश्यों के साथ की गई। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह विश्वविद्यालय ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले व्यक्तियों, कामकाजी वर्ग, गृहिणियों और शिक्षा से वंचित अन्य लोगों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के "आत्मनिर्भर भारत" और "विकसित भारत@2047" के विजन को साकार करने में विश्वविद्यालय की अहम भूमिका है।



आईआईटी (आईएसएम), धनबाद का 99वां स्थापना दिवस



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के 99वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह संस्थान एक ऐसी परंपरा का प्रतीक है, जिसने ज्ञान, नवाचार और राष्ट्रीय सेवा के मूल्यों को साकार किया है। उन्होंने संस्थान के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी स्थापना 1926 में खनन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांति लाने के उद्देश्य से की गई थी। यह संस्थान देश के शैक्षिक एवं औद्योगिक विकास का दर्पण है और आज यह अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है।

एम्स देवघर का छठा वार्षिक दिवस समारोह



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने एम्स देवघर के छठा वार्षिक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह अवसर केवल एक संस्थान का वार्षिकोत्सव मात्र नहीं है, बल्कि सेवा, समर्पण और संकल्प की उस यात्रा का उत्सव है, जिसने स्वास्थ्य और आशा की नई किरण जगाई है। उन्होंने 31 जुलाई, 2025 को माननीया राष्ट्रपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न प्रथम दीक्षांत समारोह का उल्लेख करते हुए कहा कि वह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि सेवा का संकल्प लेने का क्षण भी था। राज्यपाल महोदय ने कहा कि अस्पताल केवल इलाज का स्थान नहीं होता, बल्कि मानवता और करुणा का मंदिर भी होता है। आपकी संवेदनशीलता और आपकी निष्ठा ही इस संस्थान की वास्तविक पहचान बनेगी। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने एक्स-रे 1000 एमए, 128-स्लाइस सीटी स्कैन तथा कार्डियक कैथेटराईजेशन प्रयोगशाला का उद्घाटन भी किया।

एडवान्सेज इन फाउंड्री एंड फॉर्मिंग टेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने National Institute of Advanced Manufacturing Technology (NIAMT), राँची में एडवान्सेज इन फाउंड्री एंड फॉर्मिंग विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने इस आयोजन के लिए Department of Foundry and Forge, NIAMT एवं The Institute of Engineers (India), Jharkhand State Centre को बधाई दी। राज्यपाल महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि फाउंड्री और फॉर्मिंग तकनीक औद्योगिक विकास की रीढ़ है, जो निर्माण, ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस और रक्षा जैसे क्षेत्रों में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने NIAMT की समृद्ध परंपरा और तकनीकी अनुसंधान में इसके योगदान की सराहना की। राज्यपाल महोदय ने उक्त अवसर पर कहा कि औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित करना आज बड़ी आवश्यकता है। राज्यपाल महोदय ने इस बात पर जोर दिया कि टिकाऊ प्रौद्योगिकियाँ, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण-संवेदनशील नवाचार न केवल उद्योगों की कार्यक्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि सतत विकास के लिए नए अवसर भी प्रदान करते हैं।

इंडस्ट्री एकेडेमिया कॉन्क्लेव-2024

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने NIT जमशेदपुर में आयोजित Industry Academia Conclave-2024 में सभी को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। माननीय राज्यपाल ने Industry Academia Conclave 2024 के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आयोजन उद्योग और शिक्षा के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करेगा, जिससे हमारे समाज और देश के भविष्य को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता है कि NIT जमशेदपुर तकनीकी शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान रखता है।



इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट इंटरैक्शन कॉन्क्लेव एवं प्रदर्शनी



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ), धनबाद में स्मार्ट माइनिंग, क्रिटिकल मिनेरल्स और ग्रीन एनर्जी : आत्मनिर्भर भारत की आवश्यकता विषय पर आयोजित इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट इंटरैक्शन कॉन्क्लेव एवं प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित यह कॉन्क्लेव ज्ञान, शोध और उद्योग के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने विज्ञान भारती, सीएसआईआर-सिम्फर (CSIR-CIMFR) तथा टेक्समिन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम को इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट समन्वय की एक सशक्त पहल बताया।





“
स्कूली बच्चों को प्रोत्साहन
”



माननीय राज्यपाल महोदय राज्य के विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों का नियमित भ्रमण कर स्कूली बच्चों के साथ आत्मीय संवाद स्थापित करते रहे हैं। उनका सदैव यह प्रयास रहा है कि बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच का विकास हो। वे विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम, नैतिक मूल्यों एवं अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

माननीय राज्यपाल महोदय विशेष रूप से ग्रामीण एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों के विद्यालयों में पहुँचकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते रहे हैं। वे बच्चों को नियमित अध्ययन, पुस्तक पठन की आदत विकसित करने, खेल-कूद, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा नवाचार आधारित शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। वे विद्यार्थियों को यह संदेश भी देते हैं कि शिक्षा केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, आत्मनिर्भरता तथा समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का सशक्त आधार है।

विद्यालयों के भ्रमण के दौरान माननीय राज्यपाल महोदय विद्यार्थियों के साथ सहज एवं आत्मीय संवाद स्थापित कर उनकी जिज्ञासाओं को सुनते हैं तथा उन्हें बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा देते हैं। साथ ही वे शिक्षकों एवं अभिभावकों से भी बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु सकारात्मक, अनुशासित एवं सहयोगात्मक वातावरण उपलब्ध कराने का आह्वान करते हैं।

माननीय राज्यपाल महोदय विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास एवं परीक्षा संबंधी तनाव को कम करने पर भी विशेष बल देते रहे हैं। इसी क्रम में वे माननीय प्रधानमंत्री जी के परीक्षा पे चर्चा जैसे प्रेरणादायी कार्यक्रमों के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को परीक्षा को उत्सव की तरह लेने, सकारात्मक सोच बनाए रखने तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश देते हैं। वे बच्चों को यह प्रेरणा भी देते हैं कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने, आत्ममंथन करने और आगे बढ़ने का अवसर होती है।

माननीय राज्यपाल महोदय का मानना है कि आज के विद्यार्थी ही विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के भविष्य के निर्माता हैं। इसलिए बच्चों में शिक्षा, संस्कार, नैतिकता, वैज्ञानिक सोच, सामाजिक संवेदनशीलता एवं राष्ट्र प्रेम की भावना विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उनके विद्यालय भ्रमण एवं प्रेरणादायी संवाद विद्यार्थियों के भीतर नई ऊर्जा, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं आगे बढ़ने की प्रेरणा का संचार करते हैं।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का अवलोकन एवं छात्राओं से संवाद



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड स्थित पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का दौरा किया और वहां की छात्राओं से संवाद किया। बातचीत के दौरान एक छात्रा ने राज्यपाल महोदय से उनके जीवन के अनुभवों के बारे में जानने की इच्छा व्यक्त की। राज्यपाल महोदय ने अपनी राजनीतिक यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि वे इमरजेंसी के दौरान जेल भी गए थे, लेकिन हर व्यक्ति की यात्रा और परिस्थितियाँ अलग-अलग होती हैं। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा, "मेहनत कर आगे बढ़ें और अपनी पहचान बनाएं।" इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने 12वीं कक्षा की छात्रा रानी हेब्रम को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर और 10वीं कक्षा की छात्रा अनीता कुमारी को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत भी किया।



सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, चास, बोकारो में विद्यार्थियों से संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने जिला रामरुद्र सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, चास, बोकारो में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना राज्य के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। जब विद्यालय के नाम में ही 'एक्सीलेंस' अर्थात् उत्कृष्टता निहित है, तो विद्यार्थियों का लक्ष्य भी हर हाल में उत्कृष्टता प्राप्त करना होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता-पिता के त्याग को स्मरण में रखने तथा शिक्षकों का सम्मान करने का आग्रह किया। राज्यपाल महोदय ने संवाद के क्रम में विद्यार्थियों से कहा कि यदि उन्हें किसी प्रकार की समस्या हो तो वे उन्हें पत्र लिखकर अवगत करा सकते हैं।



‘परीक्षा पे चर्चा’ कार्यक्रम

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय (जिला स्कूल), रांची के बच्चों एवं शिक्षकों के साथ माननीय प्रधानमंत्री जी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'परीक्षा पे चर्चा' विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी पहल है। यह न केवल परीक्षा संबंधी तनाव कम करने का माध्यम है, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान करता है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि परीक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह धैर्य, समर्पण और आत्मविश्वास की परीक्षा भी होती है। 'परीक्षा पे चर्चा' यह सिखाती है कि तनाव से मुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ एक स्पष्ट योजना बनाकर परीक्षाओं का सामना किया जाए। राज्यपाल महोदय ने कहा कि जिला स्कूल का गौरवशाली इतिहास रहा है। पूर्व में धारणा थी कि जिला स्कूल में जिसका नामांकन होता था, वह समाज का बहुत मेधावी विद्यार्थी होता था। हमारे विद्यार्थी एवं शिक्षक जिला स्कूल की उत्कृष्टता की दिशा में व्यापक रूप से कार्य करें। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि पढ़ाई को केवल परीक्षा तक सीमित न रखें, बल्कि ज्ञान को आत्मसात करें। नियमित अभ्यास करें, समय का सही प्रयोग करें एवं आत्मविश्वास बनाए रखें।



श्री अबिल चौहान (CDS) के साथ छात्रों का विशेष संवाद लोक भवन में आयोजित किया गया



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन के बिरसा मंडप में माननीय केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ एवं प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित बच्चों से संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सेना केवल हमारी सीमाओं की रक्षा ही नहीं करती, बल्कि हमारे सपनों और भविष्य की भी सुरक्षा करती है। हमारे वीर जवान विषम से विषम परिस्थितियों में भी देश की सुरक्षा में सदैव तत्पर रहते हैं। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि वे जीवन में चाहे जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़ें, सैनिक, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या वैज्ञानिक बनें, सबसे पहले अच्छे इंसान और सच्चे देशभक्त नागरिक बनें। माननीय राज्यपाल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को केंद्र में रखकर विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स का उल्लेख करते हुए कहा कि ये केवल चित्र नहीं हैं, बल्कि बच्चों के हृदय में बसे देशप्रेम और वीर जवानों के प्रति सम्मान का सजीव प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि झारखण्ड के युवाओं में सेना में जाने की गहरी अभिरुचि रही है और यह पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है।



गुमला के भलमंडा में बालिका छात्रावास का लोकार्पण



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने गुमला जिले के रायडीह प्रखंड अंतर्गत बिन्देश्वरी लाल साहू सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, भलमण्डा में बालिका छात्रावास का लोकार्पण किया। राज्यपाल महोदय ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद वीर लांसनायक अल्बर्ट एक्का के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता है कि विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा सैकड़ों विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य किए जा रहे हैं, यह संगठन वर्षों से झारखण्ड के दूरस्थ ग्रामों एवं जनजातीय अंचलों में शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक चेतना के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि शिक्षा वही जो संस्कार दे और संस्कार वही जो समाज को दिशा दे। यह छात्रावास उसी विचार का मूर्त रूप है।



बिथुनपुर में वृक्षारोपण व बाल संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने गुमला जिले के बिथुनपुर प्रखंड स्थित ज्ञान निकेतन विद्यालय परिसर में विकास भारती संस्था द्वारा आयोजित वृक्षारोपण महोत्सव एवं बाल संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज के सतत विकास की आधारशिला है और समाज के हर वर्ग को इस दिशा में सजगता और गंभीरता से प्रयास करने की आवश्यकता है। राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप सभी भारत के भविष्य हैं। माननीय राज्यपाल ने पद्मश्री श्री अशोक भगत जी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयास समाज के लिए अत्यंत आवश्यक, अनुकरणीय और प्रेरणादायक हैं।



माननीय राज्यपाल ने नेतरहाट विद्यालय का भ्रमण किया



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नेतरहाट प्रवास के दौरान नेतरहाट आवासीय विद्यालय का भ्रमण किया तथा वहां की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं सहित विभिन्न शैक्षणिक विभागों का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों को उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली।

दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची का वार्षिकोत्सव अपने अंदर की ऊर्जा को विद्यार्थी पहचानें : राज्यपाल



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची के वार्षिकोत्सव में कहा कि यह अवसर केवल विद्यालय की उपलब्धियों का उत्सव नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम और रचनात्मकता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि डीपीएस रांची ने अनुशासन, ज्ञान और उत्कृष्टता की गौरवशाली परंपरा स्थापित की है और इसकी गिनती रांची के प्रतिष्ठित विद्यालयों में की जाती है। उन्होंने विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ कला, संस्कृति और पर्यावरण जैसे विषयों में भी विद्यार्थियों को जागरूक व सक्षम बना रहा है।





डी.ए.वी. नंदराज स्कूल, रांची असफलता रुकने का नहीं, आगे बढ़ने की प्रेरणा : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने डी.ए.वी. नंदराज स्कूल, बरियातू, रांची द्वारा आयोजित Achievers Night कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी है। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता है कि यह विद्यालय वैदिक शिक्षा, आधुनिक कौशल और संस्कारयुक्त वातावरण प्रदान करने की दिशा में प्रयासरत है। उन्होंने विद्यालय में स्थापित AI, रोबोटिक्स लैब, ई-लाइब्रेरी, म्यूजिक लैब और 'अंकुर' प्रयोगशाला जैसी सुविधाओं को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि असफलता कभी भी रुकने का कारण नहीं, बल्कि आगे बढ़ने का मार्ग दिखाती है।





बहरागोड़ा में 'प्रतिभा सम्मान समारोह' 2025 एवं 2026 का आयोजन



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में आशीर्वाद संस्था द्वारा आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह-2025 एवं 2026' में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बहरागोड़ा बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक विरासत से समृद्ध है, जहां की प्रतिभाओं ने शिक्षा, कला और सामाजिक सेवा के माध्यम से देश-विदेश में झारखण्ड का गौरव बढ़ाया है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा पीढ़ी होती है। जब विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, शिक्षक समाज निर्माण में योगदान देते हैं और नागरिक जन सेवा में योगदान देते हैं, तो यही हमारे राष्ट्र की सच्ची नींव बनाते हैं। माननीय राज्यपाल ने छात्रों के साथ बैठकर भोजन भी किया।

प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने सरस्वती विद्या मंदिर, रतनपुर, टुंडी, धनबाद में आयोजित प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए बच्चों का खेल भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा करना अत्यन्त सुखद है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड की मिट्टी में संघर्ष, परिश्रम और समर्पण की भावना स्वाभाविक रूप से समाहित है।



‘पहला कदम दिव्यांग स्कूल’ के बच्चों से संवाद



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने धनबाद स्थित 'पहला कदम दिव्यांग स्कूल' के बच्चों एवं विद्यालय परिवार से जुड़े सदस्यों से लोक भवन में संवाद करते हुए कहा कि वे इस विद्यालय का भ्रमण एवं अवलोकन कर चुके हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि केंद्र सरकार दिव्यांगजन के सशक्तिकरण और समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा उन्हें 'दिव्यांग' संबोधित किया गया, जो दिव्यांगजनों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रकट करता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे दिव्यांगजनों के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में सहयोग करें। राज्यपाल महोदय ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की और सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, गुमला के विद्यार्थियों से संवाद एवं पेंटिंग की सराहना

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, गुमला के विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें और एक जिम्मेदार नागरिक बनें, जिससे समाज के साथ-साथ राज्य और राष्ट्र भी उन पर गर्व कर सके। उल्लेखनीय है कि डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, गुमला के विद्यार्थियों द्वारा 'करगिल विजय दिवस' के उपलक्ष्य में लद्दाख के माननीय उप राज्यपाल को पेंटिंग भेजी गयी थी। उक्त अवसर पर विद्यार्थियों ने राज्यपाल महोदय को अपनी पेंटिंग भेंट की, जिसका राज्यपाल महोदय ने अवलोकन कर उनकी कलात्मक कृति की प्रशंसा की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



D.P.S. बोकारो प्रत्येक चुनौती नया अवसर लेकर आती है : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने दिल्ली पब्लिक स्कूल, बोकारो स्टील सिटी में आयोजित 'नक्षत्र'-स्कॉलर बैज समारोह-2025 में विद्यार्थियों को 'बाल दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डी.पी.एस., बोकारो आज न केवल झारखण्ड, बल्कि पूरे देश के उत्कृष्ट विद्यालयों में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। इस विद्यालय के विद्यार्थियों ने IIT-JEE में ऑल इंडिया टॉप 5 में से 3 स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। इसी प्रकार, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन की परीक्षा में विद्यालय के एक छात्र ने देश में प्रथम स्थान अर्जित कर संस्थान की गौरवशाली परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक चुनौती नया अवसर लेकर आती है।





J.V.M. श्यामली, रांची

शिक्षा का उद्देश्य संस्कारित और उत्तरदायी बनाना है : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली, रांची में आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक समारोह HARBINGERS-2025 में सम्मिलित होकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए वर्ष 1966 में स्थापित इस प्रतिष्ठित विद्यालय की गौरवशाली परंपरा, अनुशासन एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर्ष है कि यह विद्यालय न केवल झारखण्ड, बल्कि पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। शिक्षा का उद्देश्य संस्कारित और उत्तरदायी बनाना है, इस तथ्य पर उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सादगी, अनुशासन और ख्याति इस संस्थान की मूल भावना के प्रतीक हैं।



टेंडर हार्ट सेकेंडरी स्कूल में आर्ट एवं पेंटिंग प्रतियोगिता



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने "परीक्षा पे चर्चा 2025" के प्रति बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु टेंडर हार्ट सेकेंडरी स्कूल, राँची में आयोजित "आर्ट एवं पेंटिंग प्रतियोगिता" के पुरस्कार वितरण समारोह में बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उनकी सृजनात्मक क्षमता को निखारने में सहायक होती हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि कला हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। चित्रकला के माध्यम से बच्चे अपने विचारों, भावनाओं और कल्पनाओं को व्यक्त करते हैं। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों ने अपनी अद्वितीय रचनात्मकता और प्रतिभा का परिचय दिया है। उन्होंने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उनका संदेश था कि प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल विजेता बनना नहीं है, बल्कि इसमें भाग लेना और सीखना अधिक महत्वपूर्ण है। माननीय राज्यपाल महोदय ने इस आयोजन के लिए माननीय केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ की सक्रिय भूमिका की सराहना की। उन्होंने स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और अभिभावकों के प्रयासों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों में आत्मविश्वास और उत्कृष्टता का विकास ऐसे आयोजनों से ही संभव है।





“
राष्ट्रीय पर्व तथा महत्वपूर्ण दिवस
एवं समारोह
”

स्वतंत्रता दिवस समारोह-2024



78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर माननीय राज्यपाल ने राज्य की उप राजधानी दुमका में ध्वजारोहण किया व परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्यवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा देश तेजी से प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि हमारा देश अगले कुछ वर्षों में दुनिया की एक बड़ी महाशक्ति बनेगा। इस लक्ष्य को सभी के सहयोग से निश्चित रूप से प्राप्त कर सकेंगे।



माननीय राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया एवं उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

स्वतंत्रता दिवस-2024 के अवसर पर राज्यपाल महोदय ने दुमका जिलान्तर्गत पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक जाकर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।



स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'स्वागत समारोह' का आयोजन



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'स्वागत समारोह' का आयोजन किया गया। इस समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ, पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा, राज्य सरकार के माननीय मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक समेत प्रशासनिक व पुलिस सेवा के वरीय अधिकारीगण, सैन्य अधिकारीगण, पद्म पुरस्कार से सम्मानित व समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तिगण, राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ीगण एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस समारोह - 2025



माननीय राज्यपाल 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मोरहाबादी मैदान, राँची में झंडोत्तोलन एवं परेड का निरीक्षण करते हुए।

26 जनवरी, 2025 को मोरहाबादी, राँची में आयोजित 'गणतंत्र दिवस समारोह' में माननीय राज्यपाल ने भारतीय संविधान को सर्वोच्च मार्गदर्शक बताते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन तथा नागरिक उत्तरदायित्व के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता पर बल दिया। अपने अभिभाषण में उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों एवं संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि एक सशक्त गणराज्य की आधारशिला केवल अधिकारों में नहीं, बल्कि कर्तव्यों के निष्ठापूर्वक पालन, लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान और संविधान के आदर्शों के प्रति अटूट आस्था में निहित है।



लोक भवन में बैंड डिस्प्ले एवं ऐट होम कार्यक्रम

गणतंत्र दिवस समारोह-2025 के उपलक्ष्य में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन में 'बैंड डिस्प्ले' और 'ऐट होम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, राज्य सरकार के मंत्रीगण, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा सदस्य श्री बाबूलाल मरांडी, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा, सांसदगण, विधायकगण, मुख्य सचिव, विकास आयुक्त, पुलिस महानिदेशक, पद्म पुरस्कार से सम्मानित व्यक्तिगण, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण तथा अन्य गणमान्य व्यक्तिगण उपस्थित थे।



माननीय राज्यपाल महोदय ने स्वतंत्रता दिवस समारोह - 2025 के अवसर पर ध्वजारोहण किया



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मोरहाबादी मैदान, राँची में ध्वजारोहण के पश्चात् राज्यवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारा देश विभिन्न क्षेत्रों में लगातार नई ऊँचाइयाँ छू रहा है और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और अब विश्व की एक बड़ी अर्थव्यवस्था है।



79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय रांची स्थित मोरहाबादी मैदान में ध्वजारोहण के उपरांत सराहनीय सेवा हेतु वीरता पदक एवं सेवा पदक प्रदान करते हुए।



79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय रांची स्थित मोरहाबादी मैदान में परेड का निरीक्षण करते हुए।

गणतंत्र दिवस समारोह-2026



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राँची स्थित मोरहाबादी मैदान में झंडोत्तोलन किया एवं परेड की सलामी ली।



देश के 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मोरहाबादी, राँची में आयोजित समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि हमारा संविधान एक पवित्र ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान जहाँ हमें मौलिक अधिकार प्रदान करता है, वहीं उसने हमारे कर्तव्यों को भी रेखांकित करता है। आज जरूरत यह है कि हम अपने कर्तव्यों और देश के प्रति दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रतिबद्ध हों। उन्होंने कहा कि राज्य में प्राकृतिक संसाधनों एवं मानव संसाधन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं पर बल दिया।

‘सामूहिक बैंड डिस्प्ले’ एवं ‘ऐट होम’ कार्यक्रम

गणतंत्र दिवस समारोह-2026 के उपलक्ष्य में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन, रांची में ‘सामूहिक बैंड डिस्प्ले’ एवं ‘ऐट होम’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष श्री रबीन्द्रनाथ महतो, पुलिस महानिदेशक, पद्म पुरस्कार से सम्मानित व्यक्तिगण, वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस अधिकारीगण एवं सैन्य अधिकारीगण तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

समारोह में 11वीं बटालियन राजपूताना राइफल्स, 6/8 जी.आर., जैप-1, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, रांची एवं विवेकानंद विद्या मंदिर, रांची की बैंड टीमों द्वारा आकर्षक एवं मनमोहक बैंड डिस्प्ले प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय द्वारा मोरहाबादी मैदान में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह-2026 के अंतर्गत प्रदर्शित झांकियों, परेड एवं बैंड प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।



झारखण्ड राज्य स्थापना के 25 वर्ष



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर मोरहाबादी मैदान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि झारखण्ड के 25 वर्ष पूर्ण होना सभी राज्यवासियों के लिए आत्मगौरव, आत्मचिंतन और आत्मसंकल्प का क्षण है। उन्होंने कहा कि इस राज्य की नींव जन-आकांक्षाओं, संघर्षों और सपनों की भूमि पर रखी गई है। राज्यपाल महोदय ने भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, नीलांबर-पीतांबर, फूलो-झानो समेत सभी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग और बलिदान ने इस पावन धरती की गौरवगाथा को और अधिक समृद्ध किया है।



भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

उलिहातू जाकर धरती आबा भगवान बिरसा को नमन



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने उलिहातू, खूंटी में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक महान योद्धा ही नहीं, बल्कि जन-आस्था, जन-मानस और जन-भावनाओं के भगवान हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के दिन ही झारखण्ड राज्य की स्थापना हुई थी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को राष्ट्रीय स्तर पर 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी संस्कृति, अपनी धरती और अपने लोगों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि जनजातीय समुदाय का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। यह समुदाय भारतीय संस्कृति का प्राचीन और अभिन्न अंग रहा है। प्रकृति से इसका गहरा संबंध, लोक-परंपराओं की विविधता और जीवन मूल्यों की विशिष्टता इसे वैश्विक पहचान दिलाती है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाए जाने से जनजातीय परंपराओं, शौर्य गाथाओं और सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय पहचान मिली है।

जनजातीय गौरव दिवस



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने रांची विश्वविद्यालय, रांची के दीक्षांत मंडप में जनजातीय गौरव दिवस आयोजन समिति, रांची द्वारा 'जनजातीय गौरव दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे देश में भगवान बिरसा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है और इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पहल धरती आबा के अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के साथ-साथ भारत की जनजातीय परंपराओं, संस्कृति और शौर्य को राष्ट्रीय पहचान प्रदान करने वाली है। उन्होंने कहा कि 'जनजातीय गौरव दिवस' केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि अपनी विरासत, संघर्ष, शौर्य और सांस्कृतिक अस्मिता को स्मरण करने का अवसर है।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर कार्यक्रम



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोरहाबादी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में युवाओं से स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह दिन केवल स्मरण का नहीं, बल्कि संकल्प लेने का भी अवसर है। इस अवसर पर यह उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर लोक भवन, रांची में 'रक्तदान महायज्ञ' का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान जीवनदान है और किसी अनजान व्यक्ति के लिए दिया गया रक्त किसी परिवार की खुशियों को बचा सकता है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका निर्णायक है। उन्होंने रामकृष्ण मिशन द्वारा आयोजित 55वीं 'Rebuild Competition – नया भारत गढ़ो' की सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से हजारों युवाओं की सहभागिता झारखण्ड के युवाओं की चेतना और राष्ट्र-भावना का प्रमाण है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस-2025

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आर्यभट्ट सभागार, राँची में आयोजित समारोह में सभी मतदाताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि यह दिवस लोकतंत्र के प्रति हमारे संकल्प और नागरिक जिम्मेदारियों का प्रतीक है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि प्रत्येक नागरिक का मतदान करना न केवल उसका संवैधानिक अधिकार है, बल्कि एक परम कर्तव्य भी है। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के 75 वर्षों के सफल संचालन का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने में आयोग का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।



झारखण्ड विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ (रजत समारोह) पर झारखण्ड विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में झारखण्ड राज्य के गठन हेतु पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और महत्वपूर्ण योगदान का श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए कहा कि श्रद्धेय अटल जी के नेतृत्व में 'बिहार राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000' के अंतर्गत झारखण्ड राज्य का गठन हुआ था। उन्होंने जन-आकांक्षाओं और क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से यह ऐतिहासिक निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि 'उस समय मैं केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् का सदस्य था और लोकसभा सदस्य के रूप में राज्य गठन के पक्ष में मत देकर इस महत्वपूर्ण निर्णय में अपना योगदान दिया था।

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव-2024 का आयोजन



विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान, राँची में झारखण्ड आदिवासी महोत्सव-2024 के आयोजन के अवसर पर माननीय राज्यपाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा केवल झारखण्ड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अल्पायु में ही इतिहास रच दिया और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को पूरे देश में "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय लिया। माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड की धरती वीरों की भूमि रही है। यहाँ की माटी में जन्में बीर बुधु भगत, सिद्धो-कान्हू, चाँद-भैरव, फूलो-झानो और जतरा उराँव जैसे महान सपूतों ने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन सभी के बलिदानों को स्मरण करते हुए मैं उनके प्रति अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूँ। उनकी वीरता और पराक्रम की गाथाएँ भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी। जनजातियों द्वारा संरक्षित कला, संस्कृति, लोक साहित्य और रीति-रिवाज न केवल हमारे देश, बल्कि विश्व भर में ख्यातिप्राप्त हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 एवं 2026

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने 'विश्व पर्यावरण दिवस-2025' के अवसर पर लोक भवन परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। राज्यपाल महोदय ने सभी नागरिकों से अपने जीवन में अधिक-से-अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया और प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आग्रह किया।



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने 'विश्व पर्यावरण दिवस-2026' के अवसर पर लोक भवन, रांची के परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने सभी नागरिकों से अपने जीवन में अधिकाधिक वृक्षारोपण करने एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान किया।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस 2025 एवं 2026



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में 'अंतराष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर लोक भवन के बिरसा मंडप में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लोक भवन परिवार के सदस्यों एवं आमंत्रित स्कूली बच्चों ने सक्रियता से भाग लिया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि योग भारत की ओर से सम्पूर्ण विश्व को दिया गया एक अनुपम उपहार है। यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के सामंजस्य का विज्ञान है। उन्होंने कहा कि योग जीवन को संतुलित करने की कला है और इसके अभ्यास से हम स्वस्थ शरीर, शांत चित्त एवं ऊर्जावान जीवन की ओर अग्रसर होते हैं।



राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड तथा ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25 का समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह महोत्सव न केवल हमारी संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है, बल्कि ग्रामीण विकास और स्वरोजगार के लिए एक सशक्त मंच भी है। उन्होंने खादी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सिद्धांतों का प्रतीक बताते हुए कहा कि खादी आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का प्रतिनिधित्व करती है। यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक रही है और आज भी हमारे कारीगरों को रोजगार देने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और आत्मनिर्भरता को सशक्त बना रही है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान "खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन" का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में खादी को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से खादी को जन आंदोलन बनाने की उनकी पहल से ग्रामीण कारीगरों और श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने विवर्स डेवलेपमेंट एण्ड रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (WDRO) एवं बुनकर प्रकोष्ठ द्वारा 12वें राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस के अवसर पर डोरंडा महाविद्यालय, रांची में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हस्तकरघा केवल एक कला नहीं, यह हमारी सभ्यता, संस्कृति और परंपरा का जीवंत प्रतीक है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाया जा रहा है, बल्कि उन लाखों बुनकर परिवारों को सम्मान भी दिया जा रहा है, जो आत्मनिर्भर भारत की नींव को सुदृढ़ कर रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'हैंडलूम फॉर होम' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों से देश में स्वदेशी वस्त्रों के प्रति सम्मान का भाव और बढ़ा है। राज्यपाल महोदय ने झारखण्ड की विशिष्ट हस्तकरघा परंपराओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तसर रेशम और कत्था कढ़ाई जैसे शिल्प राज्य की पहचान हैं और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इनकी विशिष्ट छवि बनी है। उन्होंने हाल ही में इस क्षेत्र पर आधारित दो फिल्मों "संगठन से सफलता" तथा "फैशन के लिए खादी" का उल्लेख करते हुए कहा कि ये फिल्में हथकरघा के सामाजिक और आर्थिक महत्व को जनमानस के समक्ष लाने में सहायक रही हैं।



राँची विश्वविद्यालय, राँची द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम



विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में राँची विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल ने सभी को दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे देश की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा जनजातियों का है और अति प्राचीन काल से ही जनजातीय समुदाय भारतीय सभ्यता और संस्कृति के महत्वपूर्ण अंग रहे हैं। उनकी कला, संस्कृति, लोक साहित्य, परंपरा और रीति-रिवाज की ख्याति विश्व स्तर पर है। जनजातीय गीत और नृत्य अत्यंत मनमोहक होते हैं, जो सभी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। मुझे गर्व है कि हमारे जनजाति भाई-बहन प्रकृति प्रेमी होते हैं, जिसकी झलक उनके पर्व-त्योहारों में दिखती है।



लोक भवन में 'विश्व पृथ्वी दिवस' समारोह आयोजित



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन के बिरसा मंडप में 'विश्व पृथ्वी दिवस समारोह' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीपीएस, रांची के छात्र-छात्राओं द्वारा पर्यावरण विषयक संदेशों से युक्त विविध प्रस्तुतियां दी गयीं। राज्यपाल महोदय द्वारा लोक भवन परिसर में वृक्षारोपण कर इस दिवस के महत्व को रेखांकित किया गया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह दिवस हमें हमारी धरती माता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उसके संरक्षण हेतु अपने दायित्वों को निभाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व पृथ्वी दिवस की थीम – "Our Power, Our Planet" – हम सभी को नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को 2030 तक तीन गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी हमारे भविष्य के निर्माता हैं। आपके छोटे-छोटे प्रयास, जैसे कि प्लास्टिक का कम उपयोग, जल और ऊर्जा की बचत, वृक्षारोपण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना, अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं को 'पर्यावरण रक्षक' की संज्ञा दी और कहा कि उनका आचरण पूरे समाज को प्रेरणा दे सकता है।





“
विविध
”

लोक भवन में रक्तदान शिविर

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार के निदेश पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, झारखण्ड शाखा द्वारा युगपुरुष एवं महान दार्शनिक स्वामी विवेकानंद जी की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर लोक भवन, रांची स्थित बिरसा मंडप में 'रक्तदान शिविर' का आयोजन किया गया, जिसमें कुल **406 यूनिट रक्त का संग्रह** किया गया। राज्यपाल महोदय ने रक्तदान को सर्वोच्च मानवीय एवं पुनीत कार्य बताते हुए कहा कि समय पर रक्त उपलब्ध न होने के कारण अनेक बार बहुमूल्य जीवन संकट में पड़ जाता है। ऐसे में रक्तदान जैसे सेवा कार्य को जन-आंदोलन का रूप देना अत्यंत आवश्यक है, ताकि राज्य में प्रत्येक रक्त समूह की प्रयाप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उनके द्वारा वर्षों से सुष्ठु एवं निष्क्रिय झारखण्ड रेड क्रॉस सोसाइटी को सक्रिय एवं प्रभावी स्वरूप प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए हैं और अपेक्षा है कि यह संस्था समाज में सेवा, विश्वास और संवेदनशीलता की सशक्त मिसाल प्रस्तुत करेगी।



68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट-2025



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने '68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट-2025' मरांग गोमके जयपाल सिंह स्टेडियम, खेलगांव, रांची में आयोजित कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल पुलिस बल की कार्य कुशलता को प्रदर्शित करते हैं, बल्कि आपसी सहयोग, नवीन तकनीकों के आदान-प्रदान और पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करते हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि पुलिस बल किसी भी राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था का मजबूत आधार स्तंभ है। वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जन हित एवं राज्य हित में समर्पित भाव से कार्य करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'स्मार्ट पुलिसिंग' की परिकल्पना की गई है। पुलिस सेवा का समाज में शांति कायम करने, महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, ट्रैफिक प्रबंधन और आपदा प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी योगदान है।



ईस्टर्न कमांड अलंकरण समारोह-2025



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने कॉकरेल इकोलॉजिकल पार्क एवं प्रशिक्षण क्षेत्र, दीपाटोली, रांची में आयोजित ईस्टर्न कमांड अलंकरण समारोह-2025 में वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले सैनिकों एवं उनके परिजनों से भेंट की तथा उनके साथ भोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्र सेवा में समर्पित वीर जवानों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को नमन किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारतीय सेना के वीर योद्धा देश की अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए जिस अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हैं, वह प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने वीर सैनिकों एवं उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र को आप सभी पर गर्व है। इस अवसर पर सेना के वरिष्ठ अधिकारीगण, गणमान्य अतिथि एवं सैनिक परिवारों के सदस्य उपस्थित रहे।

झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता-2025 का उद्घाटन



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता-2025 का उद्घाटन करते हुए कहा कि खेलकूद हमारे जीवन में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा देता है। यह शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा विभाग द्वारा अपने जवानों के स्वास्थ्य और मनोबल को बढ़ाने के लिए इस तरह के आयोजन करने की सराहना की। राज्यपाल महोदय ने गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा के जवानों द्वारा राज्य की आंतरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन में निभाई जा रही भूमिका की सराहना की।

राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल से संवाद



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन, राँची में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल से संवाद करते हुए कहा कि राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन का एक प्रतिष्ठित संस्थान है। इसका गौरवशाली इतिहास न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर इसकी विशिष्ट पहचान स्थापित करता है। राज्यपाल महोदय ने संवाद के क्रम में कहा कि वीरों की धरती झारखण्ड प्राकृतिक संसाधनों, खनिज संपदा, समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से सम्पन्न राज्य है। यहाँ के जनजातीय समाज की परंपराएँ विश्व प्रसिद्ध हैं, वे प्रकृति-प्रेमी होते हैं जिसे उनके पर्व-त्योहारों एवं जीवन शैली स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। इस अवसर पर राज्य में सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। संवाद के उपरांत राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (नेशनल डिफेन्स कॉलेज) के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने लोक भवन, राँची स्थित उद्यान का भी भ्रमण किया।



XLRI सभागार, जमशेदपुर में डूरंड कप 2025 की ट्रॉफी का भव्य अनावरण



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने जमशेदपुर स्थित प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान XLRI के सभागार में डूरंड कप 2025 ट्रॉफी अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए इसे झारखण्ड के लिए गौरव का क्षण बताया और कहा कि डूरंड कप जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का हिस्सा बनना झारखण्ड की खेल संस्कृति के लिए मील का पत्थर साबित होगा। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह आयोजन न केवल खेल भावना को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि पर्यटन, स्थानीय व्यवसाय और युवाओं के मनोबल को भी सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि फुटबॉल एक ऐसा खेल है जो गली-कूचों से निकलकर स्टेडियम और फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सपना जगाता है। यह खेल अवसरों की समानता का प्रतीक है, जो ग्रामीण और शहरी, सभी पृष्ठभूमि के युवाओं को एक समान मंच प्रदान करता है।



कृष्ण जन्माष्टमी पर दही हांडी प्रतियोगिता उत्सव-2024 एवं 2025 में शामिल हुए राज्यपाल



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने अल्बर्ट एक्का चौक पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित दही-हांडी प्रतियोगिता में उपस्थित जन-समूह को संबोधित करते हुए कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि विगत कई वर्षों से यह भव्य आयोजन होता आ रहा है। आज के युग में जब हम विभिन्न सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, तब इस अवसर पर हमें प्रेरणा मिलती है कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, हमें धैर्य, साहस और बुद्धिमत्ता से काम लेना चाहिए। प्रेम, सद्भाव और परस्पर सहयोग से ही समाज और देश का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि हम सब आत्मनिरीक्षण करते हुए संकल्प लें कि कर्तव्य के पथ पर चलते हुए समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए कार्य करेंगे। माननीय राज्यपाल महोदय ने दही-हांडी प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया।



सैनिक कल्याण निदेशालय की प्रबंध समिति की बैठक

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में लोक भवन में सैनिक कल्याण निदेशालय, झारखण्ड की 16वीं राज्य प्रबंध समिति की बैठक आहूत की गई। राज्यपाल महोदय ने कहा कि सैनिक कल्याण बोर्ड प्रस्ताव तक सिर्फ सीमित नहीं रहे, बल्कि अपने कार्यों में तेजी लाये। उन्होंने कहा कि जहाँ कहीं भी कैंट है, वहाँ आपस में विभिन्न विषयों पर चर्चा होनी चाहिए तथा वहाँ की समस्याओं का समाधान होना चाहिए। राज्यपाल महोदय ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले भूतपूर्व सैनिकों के आश्रितों को प्रोत्साहन राशि देने का निदेश दिया। साथ ही भूतपूर्व सैनिकों के मेधावी बच्चे जिनका चयन commissioned officer में हुआ है, उन्हें आरंभ में 25000 रु. पारितोषिक राशि के रूप में देने की बात हुई। उक्त अवसर पर वैसे भूतपूर्व सैनिकों, जिन्हें रोजगार की सख्त आवश्यकता है, को राज्य में मौजूद विभिन्न कम्पनियों में समायोजित करने की बात कही गई एवं भूतपूर्व सैनिकों को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने पर चर्चा की गई।

सशक्त सेना-समृद्ध भारत प्रदर्शनी का उद्घाटन

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार द्वारा मोरहाबादी मैदान में आयोजित "Know Your Armed Forces Exhibition" (सशक्त सेना-समृद्ध भारत प्रदर्शनी) का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का शौर्य, पराक्रम और अनुशासन अद्वितीय है। उन्होंने पूर्वी कमान को इसके आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल हमारी सेना के अद्वितीय कौशल का प्रदर्शन है, बल्कि युवाओं के लिए अनुशासन और प्रेरणा का भी महत्वपूर्ण स्रोत है।



7वां राष्ट्रीय पोषण माह का समापन



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने शौर्य सभागार, जैप-1 परिसर, डोरंडा, राँची में आयोजित '7वें राष्ट्रीय पोषण माह' के समापन समारोह में कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह का उद्देश्य केवल जागरूकता बढ़ाना ही नहीं है, इसे एक जन आंदोलन का रूप भी देना है। कुपोषण के खिलाफ इस सामूहिक प्रयास से यह सुनिश्चित हो कि हर व्यक्ति, विशेषकर महिलाएं और बच्चे सही पोषण प्राप्त करें, ताकि एक सशक्त और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सके। राज्यपाल महोदय ने उन सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और संस्थाओं को बधाई दी, जिन्होंने 'राष्ट्रीय पोषण माह' के दौरान जनमानस को जागरूक करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

‘स्वच्छता ही सेवा’ अभियान का समापन समारोह



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आर्यभट्ट सभागार, राँची में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) द्वारा आयोजित ‘स्वच्छता ही सेवा’ अभियान के समापन समारोह को संबोधित करते हुए सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छ और स्वस्थ भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सफाई का कार्य नहीं, बल्कि यह एक स्वस्थ और समृद्ध समाज की नींव है। उन्होंने सभी से अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड विधानसभा चुनाव-2024 में श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, राँची स्थित मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्यवासियों को लोकतंत्र के इस महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। साथ ही, उन्होंने सभी मतदाताओं से आह्वान किया कि वे इस महापर्व में सक्रिय रूप से भाग लें और अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें।



रेड क्रॉस सोसाइटी की राज्य प्रबंधन समिति की बैठक



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में लोक भवन में Indian Red Cross Society की State Managing Committee की बैठक हुई। बैठक में राज्यपाल महोदय ने रेड क्रॉस की भूमिका को और अधिक प्रभावी तथा जन-कल्याणकारी बनाने हेतु कई अहम निदेश दिए। उन्होंने विशेष रूप से स्वैच्छिक रक्तदान को एक सामाजिक जनांदोलन का रूप देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन किया जाए और इनमें विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट-गाइड जैसी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है, सभी को इसके लिए प्रेरित करें।

‘East Tech Symposium 2025’

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने खेलगांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रांची में माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ एवं रक्षा प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित 'East Tech Symposium 2025' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती शक्ति, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह डिफेंस एक्स्पो "आत्मनिर्भर भारत" के उस संकल्प का प्रतीक है, जिसमें देश की शक्ति, सामर्थ्य और स्वाभिमान समाहित है। पूर्वी भारत में इस प्रकार की रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन, औद्योगिक विकास, नवाचार और रक्षा उत्पादन में सहयोग की नई दिशाएं खोलेगा। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदृष्टि नेतृत्व और उनके 'मेक इन इंडिया' के आह्वान ने ही यह संभव किया है।



‘स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान’



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा मध्य प्रदेश से शुभारंभ 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' के अवसर पर सदर अस्पताल, रांची में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिन है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ने सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। इस अभियान के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य और परिवार के सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने पर और जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार की आधारशिला है और सशक्त परिवार ही सशक्त भारत का निर्माण करता है।



झारखण्ड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट-2025



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राँची के जैप-1 परिसर में आयोजित झारखण्ड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट-2025 के उद्घाटन समारोह में कहा कि यह आयोजन न केवल हमारे पुलिस बल की कार्यकुशलता, अनुशासन और दक्षता का प्रतीक है, बल्कि यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आपसी सहयोग और टीम भावना को भी सुदृढ़ करता है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि पुलिसकर्मी किसी भी राज्य की सुरक्षा, शांति और व्यवस्था के आधारस्तंभ होते हैं। वे कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस के बीच संवाद एवं विश्वास का रिश्ता मजबूत होना चाहिए। पुलिसकर्मी जनता से शालीनता से संवाद करें, उनकी शिकायतों को संवेदनशीलता के साथ सुनें और तत्परता से उनका निबटारा करें, ताकि नागरिक निडर होकर अपनी बात रख सकें। माननीय राज्यपाल ने अनुसंधान कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अपराध नियंत्रण में वैज्ञानिक तरीकों और आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जाना चाहिए, जिससे अपराधी शीघ्र कानून के दायरे में आएँ और पीड़ित को समय पर न्याय मिले। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानून न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार के प्रतीक हैं, जिनका उद्देश्य पीड़ित केंद्रित न्याय सुनिश्चित करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि झारखण्ड पुलिस इन कानूनों की भावना को आत्मसात करते हुए जनता की सुरक्षा और न्याय की स्थापना में एक आदर्श प्रस्तुत करेगी।

रक्षा सम्पदा उप-कार्यालय के नवीन कार्यालय का उद्घाटन



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने रांची में रक्षा सम्पदा उप-कार्यालय के नवीन कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रांची में रक्षा सम्पदा उप-कार्यालय की स्थापना झारखण्ड राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी निर्णय है, जिससे राज्य में रक्षा भूमि प्रबंधन को अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं समयबद्ध बनाया जा सकेगा। राज्यपाल महोदय ने कहा कि पूर्व में झारखण्ड राज्य के सभी जिलों एवं सैन्य स्टेशनो की रक्षा भूमि का प्रबंधन बिहार के दानापुर से किया जा रहा था। व्यापक क्षेत्राधिकार एवं भौगोलिक दूरी को ध्यान में रखते हुए रांची में उप-कार्यालय की स्थापना से अब रक्षा भूमि से संबंधित मामलों में स्थानीय स्तर पर त्वरित, सरल एवं प्रभावी समाधान संभव हो सकेगा।

राज्यपाल महोदय ने भारतीय सैनिकों के पराक्रम, साहस और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि हमारे सैनिक न केवल सीमाओं की रक्षा करते हैं, बल्कि आपदा के समय भी समर्पण भाव से सहायता के लिए आगे आते हैं। उनका जीवन 'नेशन फर्स्ट' की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जब हम चैन की नींद सोते हैं, तब हमारे सैनिक सीमाओं पर जागते रहते हैं। वे विषम भौगोलिक एवं मौसमीय परिस्थितियों में, अपने परिवार और व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं का त्याग कर, देश की रक्षा में सदैव तत्पर रहते हैं। राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण विश्व में अद्वितीय है।

‘भारत में तसर रेशम उद्योग के समावेशी विकास’ पर संगोष्ठी



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार), राँची एवं जैव-विविधता बोर्ड एवं वन विभाग, झारखण्ड द्वारा केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची में 'भारत में तसर रेशम उद्योग के समावेशी विकास' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि तसर रेशम उद्योग न केवल एक कृषि आधारित उद्योग है, बल्कि यह जनजातीय समुदाय की परंपरा और संस्कृति का भी अभिन्न हिस्सा है।

भारतीय इतिहास लेखन में महिला विमर्श विषय पर राष्ट्रीय अधिवेशन

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आर्यभट्ट सभागार, राँची विश्वविद्यालय, राँची में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, कला, संस्कृति, पुरातत्व, पर्यटन, खेलकूद और युवा कार्य मंत्रालय, झारखण्ड सरकार, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा राँची विश्वविद्यालय, राँची के इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "भारतीय इतिहास लेखन में महिला विमर्श" विषय पर आधारित "अखिल भारतीय महिला इतिहासकारों का दो दिवसीय अधिवेशन" का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में महिलाओं का योगदान अद्वितीय और प्रेरणादायक रहा है।



दिव्य कला मेला शिल्प और कला का सुंदर समागम

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने हरमू मैदान, राँची में आयोजित 'दिव्य कला मेला' के उद्घाटन समारोह के अवसर पर कहा कि दिव्यांगजन के विकास हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित हैं, जरूरत है लोगों को इन योजनाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें लाभान्वित करने की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि हर्ष का विषय है कि झारखण्ड की इस पावन धरती पर 'दिव्य कला मेला' का आयोजन हो रहा है। यह मेला न केवल कला व शिल्प का उत्सव तथा सांस्कृतिक आयोजन है, बल्कि हमारे दिव्यांगजनों की अद्वितीय प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं साहस का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि यह मेला दिव्यांगजन के सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा विकलांग शब्द के बदले दिव्यांग जैसे सम्मानजनक शब्द को अपनाया गया। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिव्यांगजन के उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन में किसी भी प्रकार की प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। वे समाज के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहे हैं, चाहे वह कला हो, शिक्षा हो, खेल हो या उद्यमिता। उक्त अवसर पर लाभुकों को मोटराज्ड ट्राई साइकिल एवं कान की मशीन भी प्रदान की गयी। उनके द्वारा वहाँ लगे विभिन्न स्टॉलों का भी निरीक्षण किया गया।



वर्ल्ड फूड इंडिया फेस्टिवल-2024

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित 'वर्ल्ड फूड इंडिया फेस्टिवल-2024' में झारखण्ड पैवेलियन का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाने हेतु वर्ल्ड फूड इंडिया भारत सरकार की उल्लेखनीय पहल है। राज्यपाल महोदय ने वहाँ लगे स्टालों का परिभ्रमण किया एवं स्टॉलधारकों से उत्पादों के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। माननीय राज्यपाल ने यहां पर लगे झारखण्ड के परंपरागत व्यंजन की सराहना की तथा यहां के परम्परागत खाद्य पदार्थ से बने उत्पाद के प्रति लोगों के आकर्षण को देखकर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि झारखण्ड के श्री अन्न मडुआ (रागी) के अतिरिक्त अन्य परम्परागत खाद्य से बने उत्पादों की लोकप्रियता में अपार वृद्धि हुई है एवं इसकी मांग देश ही नहीं, विदेशों में भी है।



22वें देवघर पुस्तक मेला-2025 का उद्घाटन

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने बाबा बैद्यनाथ की पावन भूमि पर '22वें देवघर पुस्तक मेला' का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पुस्तक मेले को ज्ञान, संस्कृति और साहित्य के प्रसार का एक महत्वपूर्ण मंच बताते हुए झारखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बताया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि देवघर की यह भूमि न केवल बाबा बैद्यनाथ धाम जैसे आध्यात्मिक केंद्र के लिए विख्यात है, बल्कि यहाँ महान संत ठाकुर अनुकूल चंद्र जी ने समाज को अपने विचारों और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से प्रेरित किया। यह पावन भूमि सांस्कृतिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक धरोहर का एक प्रेरणास्रोत है।



कला एवं सांस्कृतिक महोत्सव



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर स्वयंसेवी संस्था विकास भारती बिशुनपुर द्वारा बरियातू, राँची में आयोजित 'कला एवं सांस्कृतिक महोत्सव' को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती को पूरे देश में 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन और विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन भारत माता के गौरव और सम्मान का प्रतीक है। उनका व्यक्तित्व और उनके विचार आज भी हमारे समाज को प्रेरित करते हैं और हम सभी के लिए मार्गदर्शक हैं।

हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी-विकसित भारत @2047 मैराथन



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने मोरहाबादी, रांची में आयोजित 'हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी-विकसित भारत @2047 मैराथन' के अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों, आयोजकों तथा नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन राष्ट्र चेतना, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी भावना का प्रतीक है। उन्होंने इस जन-जागरूकता अभियान के आयोजन हेतु माननीय केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ को हार्दिक बधाई दी तथा सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हर घर स्वदेशी का यह आह्वान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के उस विचार को आत्मसात करने का संदेश देता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि स्वदेशी अपनाना केवल वस्तु का चयन नहीं, बल्कि देश के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी निरंतर देशवासियों से 'वोकल फॉर लोकल' बनने का आह्वान करते हैं। माननीय राज्यपाल ने कहा कि स्वदेशी अपनाना, देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है और यही 'विकसित भारत @2047' का मार्ग है। यह मैराथन उसी भावना का जीवंत प्रतीक है, जहां हर कदम स्वदेशी, स्वास्थ्य और स्वाभिमान की दिशा में बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यहां के लोग इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं।

नालन्दा ज्ञानकुम्भ भारतीय ज्ञान परंपरा ने विश्व को आलोकित किया : राज्यपाल



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नालन्दा विश्वविद्यालय, राजगीर में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित "नालन्दा ज्ञानकुम्भ" के समापन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने सदियों से न केवल भारत, बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रोत्साहित किया है। वेद, उपनिषद्, आयुर्वेद, गणित, खगोलशास्त्र और योग जैसी शास्त्रीय धरोहरें आज भी हमारे आत्मिक और बौद्धिक विकास में सहायक हैं। माननीय राज्यपाल ने भारतीय भाषाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारी भाषाएँ हमारी सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक हैं। संस्कृत, हिंदी, तमिल, कन्नड़ जैसी भारतीय भाषाओं में हमारे प्राचीन ग्रंथ और साहित्य समाहित हैं, जो हमारी सोच और परंपराओं को जीवित रखते हैं। मातृभाषा में शिक्षा विद्यार्थियों में आत्मविश्वास को बढ़ाती है और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्रदान करती है।





एग्रोटैक किसान मेला-2026 वैज्ञानिकों का किसानों से हो सीधा संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, राँची में आयोजित 'एग्रोटैक किसान मेला-2026' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल प्रयोगशालाओं में शोध करना ही नहीं, बल्कि उन शोधों को खेतों तक पहुँचाना भी है। वैज्ञानिकों को किसानों के साथ सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, नवीन शोध तथा उन्नत कृषि पद्धतियों से जोड़ने में इस प्रकार के किसान मेलों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड एक कृषि प्रधान राज्य है और यहाँ की मिट्टी में अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने किसानों को परंपरागत खेती के साथ-साथ फल, सब्जी, फूल, औषधीय पौधों तथा बागवानी की खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, बकरी पालन और मधुमक्खी पालन जैसे सहायक व्यवसाय किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सीमा सुरक्षा बल के नव आरक्षकों का दीक्षांत परेड सेवा और समर्पण का नाम सीमा सुरक्षा बल : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने रानी झाँसी परेड ग्राउंड, मेरु, हजारीबाग में सहायक प्रशिक्षण केन्द्र, सीमा सुरक्षा बल (BSF) द्वारा आयोजित दीक्षांत परेड में नव आरक्षकों (बैच संख्या 163 एवं 164) को संबोधित किया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर राज्यपाल महोदय ने प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले जवानों को हार्दिक बधाई दी और उनके समर्पण एवं अनुशासन की सराहना की। राज्यपाल महोदय ने नव आरक्षकों के परिवारजनों को भी बधाई देते हुए कहा कि उनके सहयोग और प्रेरणा के बिना यह सफलता संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि भारत माता की सेवा और सुरक्षा हमारे जवानों की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उनके समर्पण के कारण देशवासी सुरक्षित महसूस करते हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल का गौरवशाली इतिहास रहा है। उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में इस बल की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि बल का अदम्य साहस सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने बल के शहीद जवानों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सर्वोच्च बलिदान को अविस्मरणीय बताया। राज्यपाल महोदय ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनकी भी सैन्य सेवा में जाने की प्रबल इच्छा थी, वे एन.सी.सी. से जुड़े थे, लेकिन कुछ कारणों से सेना में नहीं जा सके।



सांसद सांस्कृतिक महोत्सव-सह-स्वदेशी मेला का उद्घाटन

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने ऑड्रे हाउस, राँची में आयोजित 'सांसद सांस्कृतिक महोत्सव-सह-स्वदेशी मेला' के उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि स्वदेशी केवल उत्पाद नहीं, बल्कि आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता का आधार है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव हमारी सांस्कृतिक अस्मिता, स्वदेशी चेतना और आत्मनिर्भरता के संकल्प का जीवंत प्रतीक है। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर ऑड्रे हाउस के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह स्थल हमारे स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी महत्वपूर्ण स्मृतियों का भी साक्षी रहा है। इतिहासकारों के अनुसार, यहाँ राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का वर्ष 1917 में आगमन हुआ था। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक भवन में स्वदेशी और सांस्कृतिक चेतना से जुड़ा यह आयोजन अत्यंत प्रेरणादायक है।



राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने NUSRL, राँची में आयोजित राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता अन्तर्गत उपभोक्ता संरक्षण कानून के समापन सत्र को संबोधित करते हुए इस प्रतियोगिता को विधि छात्रों के लिए अद्वितीय अवसर बताते हुए कहा कि यह उन्हें तार्किक विचार, सटीकता और वकालत की कला में दक्षता हासिल करने का मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि विधिक पेशा समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम है। उन्होंने उपभोक्ता संरक्षण कानून जैसे प्रासंगिक विषय पर प्रतियोगिता के आयोजन हेतु आयोजकों को बधाई दी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण कानून हमारे समाज के हर नागरिक से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। हर व्यक्ति एक उपभोक्ता भी है और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना उसका कर्तव्य है। इन कानूनों ने उपभोक्ताओं को न्याय प्राप्ति के लिए सुलभ माध्यम प्रदान किए हैं।



गुरु नानक देव जी का प्रकाशोत्सव

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के अवसर पर राँची स्थित गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल, पी.पी. कंपाउंड, राँची जाकर मत्था टेका। उन्होंने वहां कीर्तन कार्यक्रम में भाग लेते हुए गुरुबाणी का श्रवण किया तथा श्रद्धालुओं से भेंट की और लंगर में प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर माननीय राज्यपाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने पूरे मानव समाज को सत्य, करुणा, सेवा, समानता और सद्भाव का महान संदेश दिया। उनके उपदेश मानवता के मार्ग पर चलने और आपसी प्रेम तथा भाईचारे को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को अपने विचार और जीवन व्यवहार में आत्मसात करने का आह्वान किया।



सरदार वल्लभभाई पटेल जी का 150वीं जयंती समारोह



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आर्यभट्ट सभागार, राँची में सरदार पटेल स्मृति समिति (कलिंग भारती फाउंडेशन का एक अभिन्न अंग) द्वारा आयोजित सरदार वल्लभभाई पटेल जी का 150वीं जयंती समारोह के अवसर पर राष्ट्र के महान सपूत 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प एवं दूरदर्शी नेतृत्व ने स्वतंत्र भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ आधार प्रदान किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि सरदार पटेल के विचार सदैव प्रासंगिक हैं और वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा एकता की भावना को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं।

सरदार @150 पदयात्रा
यह पदयात्रा राष्ट्रीय एकता और सेवा-भावना का प्रेरक प्रतीक : राज्यपाल



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन के मुख्य द्वार से ओटीसी ग्राउंड तक सरदार @150 पदयात्रा (यूनिटी मार्च- एक भारत, आत्मनिर्भर भारत) में सम्मिलित होकर प्रतिभागियों के मनोबल को बढ़ाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी व आधुनिक भारत के शिल्पकार एवं देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री 'लौहपुरुष' भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित यह पदयात्रा राष्ट्रीय एकता और सेवा-भावना का प्रेरक प्रतीक है। उन्होंने इस पदयात्रा में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि सरदार पटेल जी ने भारत की 562 रियासतों का विलय कर जिस अखंड भारत की नींव रखी, वह उनकी अद्वितीय दूरदृष्टि, साहस और राष्ट्र निष्ठा का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा MY Bharat द्वारा सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्षगांठ को एक जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाना अत्यंत सराहनीय पहल है। माननीय राज्यपाल ने कहा कि सरदार पटेल के आदर्शों को हम केवल स्मरण ही न करें, बल्कि उन्हें अपने आचरण, कर्तव्यों और जीवन-मूल्यों में आत्मसात करें।

जनजातीय आचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला का समापन समारोह



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा आचार्य प्रशिक्षण केंद्र, कुदलुंग, नगड़ी, रांची में आयोजित जनजातीय आचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला के समापन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन, संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा को जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचाने का यह प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय है। इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आए 387 आचार्यों की उपस्थिति रही। माननीय राज्यपाल ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा महिला आचार्यों की उपस्थिति को विशेष रूप से सराहते हुए कहा कि जब एक नारी शिक्षित होती है तो पूरा समाज शिक्षित होता है और यहां का दृश्य जनजातीय समाज में शिक्षा की गहरी जड़ें और महिलाओं की अग्रणी भूमिका का प्रतीक है।





“

भेंट-वार्ता

”





माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से भेंट की तथा राज्य की विकास योजनाओं और वर्तमान विधि-व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में माननीय केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी से शिष्टाचार भेंट की।





माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पूर्व उप प्रधानमंत्री भारत रत्न आदरणीय श्री लालकृष्ण आडवाणी जी से उनके जन्मदिन पर नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में आडवाणी जी का योगदान अविस्मरणीय है तथा उनके आदर्श एवं जीवन-मूल्य सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री मुरली मनोहर जोशी जी से शिष्टाचार भेंट की।





माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में पूर्व उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू जी से शिष्टाचार भेंट की।



माननीय राज्यपाल ने माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन जयराम गडकरी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा से नई दिल्ली में भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के मध्य विभिन्न समसामयिक विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई।



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के मध्य राज्य की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ।



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। वार्ता के क्रम में जनजातीय समाज के उत्थान व विकास हेतु केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं राज्य में उनके प्रभावी कार्यान्वयन के संदर्भ में चर्चा हुई।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से माननीय केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री मनसुख एल. मंडाविया ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की।





माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खादय एवं जन आपूर्ति मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी जी से शिष्टाचार भेंट की तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से माननीय केंद्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की।





माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने
उत्तर प्रदेश की माननीया राज्यपाल श्रीमती
आनंदीबेन पटेल से बरेली में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने उत्तर
प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ
से बरेली में शिष्टाचार भेंट की।



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने
कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री थावर चंद गहलोत
जी से लोक भवन, बेंगलुरु में शिष्टाचार भेंट की।



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने जयपुर
लोक भवन में राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री
हरिभाऊ किशनराव बागड़े जी से शिष्टाचार भेंट की।



तेलंगाना के माननीय राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल जी ने माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से लोक भवन, रांची में शिष्टाचार भेंट की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से जम्मू और कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की।





माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने लोक भवन, राँची में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करते हुए उन्हें सदैव जनहित एवं राज्यहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि झारखण्ड में अपार संभावनाएँ विद्यमान हैं तथा राज्य को विकास के पथ पर अग्रसर करते हुए विकसित राज्यों की श्रेणी में अग्रणी बनाने हेतु समर्पित भाव से कार्य किया जाना चाहिए।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल महोदय ने उक्त अवसर पर प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें सदैव अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु तत्पर रहने का संदेश दिया।



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें सदैव अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु तत्पर रहने का संदेश दिया।



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से लोक भवन में भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव श्री अरविंद आनंद एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखण्ड श्री के. रवि कुमार ने भेंट कर झारखण्ड विधानसभा निर्वाचन 2024 में विजयी प्रत्याशियों की सूची समर्पित की।



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार के निदेश पर लोक भवन, रांची उद्यान को प्रत्येक वर्ष आम नागरिकों के लिए भ्रमण एवं परिदर्शन हेतु खोला जाता है। वर्ष 2025 में दिनांक 6 फरवरी से 12 फरवरी तक 2,50,000 से अधिक तथा वर्ष 2026 में दिनांक 2 फरवरी से 15 फरवरी तक 6,15,586 आगंतुकों ने लोक भवन उद्यान का भ्रमण एवं परिदर्शन किया। विदित हो कि प्रारंभ में उद्यान को 2 फरवरी से 8 फरवरी, 2026 तक खोला जाना प्रस्तावित था, किन्तु आम नागरिकों के उत्साह, आकर्षण एवं अभूतपूर्व जनसहभागिता को देखते हुए राज्यपाल महोदय ने उद्यान को 15 फरवरी, 2026 तक आम नागरिकों के लिए खुला रखने का निर्णय लिया। यह जनसहभागिता लोक भवन के प्रति नागरिकों के विश्वास, आत्मीय जुड़ाव और उत्साह की सशक्त अभिव्यक्ति है।

इन अवसरों पर माननीय राज्यपाल ने स्वयं उद्यान में पहुंचकर विभिन्न आयु वर्ग के आगंतुकों, विशेषकर विद्यार्थियों एवं युवाओं से संवाद किया। उन्होंने उनकी जिज्ञासाओं का उत्तर दिया, विचार साझा किए तथा उनकी प्रतिक्रियाएँ जानीं। इस दौरान उन्होंने आगंतुकों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। राज्यपाल महोदय की सरलता, सहज उपलब्धता और आत्मीय व्यवहार ने आगंतुकों के अनुभव को स्मरणीय बना दिया।



लोक भवन उद्यान



राज्यपाल के रूप में दो वर्षों की प्रेरणादायी यात्रा

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार के दो वर्षों के कार्यकाल में लोक भवन, झारखण्ड ने संवैधानिक दायित्वों के गरिमापूर्ण निर्वहन, जनसंवाद, शिक्षा, जनसरोकार एवं लोक-कल्याण के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय पहल किये हैं। यह प्रकाशन सेवा, संवेदना, उत्तरदायित्व एवं जनविश्वास पर आधारित उन प्रयासों का सजीव दस्तावेज है, जिन्होंने लोक भवन को जनसंपर्क एवं जनसहभागिता के एक सक्रिय मंच के रूप में और अधिक सुदृढ़ करने का कार्य किया है।

दो वर्षों के प्रमुख आयाम

आमजनों के हितों के रक्षक- आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं संवेदनशील निस्तारण हेतु व्यापक पहल।

सुदूरवर्ती क्षेत्रों का भ्रमण एवं लोगों को विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करना - दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचकर नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करना।

उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध - विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक अनुशासन, समयबद्ध परीक्षाएँ, ससमय दीक्षांत समारोह के आयोजन तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल।

विद्यार्थियों व युवाओं से संवाद - विद्यार्थियों और युवाओं को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने की सतत पहल।

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' एवं 'युवा संगम' - राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं भावनात्मक जुड़ाव को सुदृढ़ करने की पहल।

सामाजिक उत्तरदायित्व - रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, पोषण एवं जनजागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रमों में सहभागिता।

जनसुलभ लोक भवन - संवाद, सहभागिता, विश्वास एवं जनसेवा का सशक्त मंच विकसित करने की सतत पहल।

